शासकीय उपयोग हेतु

प्रतिवेदन क्रमांक–635

# वन्या सामुदायिक रेडियो केन्द्र सेसईपुरा का मूल्यांकन अध्ययन

जिला- श्योपुर

**वर्ष : 2017–18**

निर्देशन – **श्री प्रेमचन्द मीना** आई.ए.एस.
संचालक

मार्गदर्शन – **श्री नीतिराज सिंह**
संयुक्त संचालक

क्षेत्रीय कार्य एवं प्रतिवेदन – **लखनलाल बछले**
सहा. सांख्यिकी अधिकारी


आदिम जाति अनुसंधान एवं विकास संस्था,म0प्र0शासन
35,श्यामला हिल्स, भोपाल (म0प्र0)

# अनुक्रमणिका


| क्रं. | अध्याय विवरण | पृष्ठ संख्या |
|---|---|---|
| 1. | **अध्याय – एक**<br>प्रस्तावना | 1–2 |
| 2. | **अध्याय – दो**<br>अध्ययन क्षेत्र एवं जनजातीय परिचय | 3–5 |
| 3. | **अध्याय – तीन**<br>वन्या सामुदायिक रेडियो केन्द्र एवं संचालन की वर्तमान स्थिति | 6–9 |
| 4. | **अध्याय – चार**<br>वन्या सामुदायिक रेडियो केन्द्र से प्रसारित कार्यक्रमों की जानकारी तथा जनजातीय समुदाय पर प्रभाव | 10–12 |
| 5. | **अध्याय – पाँच**<br>वन्या सामुदायिक रेडियो केन्द्र सेसईपुरा के संबंध में स्थानीय ग्रामीणों से की गई चर्चा | 13–21 |
| 6. | **अध्याय – छः**<br>निष्कर्ष एवं सुझाव | 22 |
| 8. | **परिशिष्ट**<br>1. अध्ययन से संबंधित छायाचित्र | 23 |

# अध्याय—एक

## प्रस्तावना

**भूमिका —**

मध्यप्रदेश शासन का जनजातीय कार्य विभाग, जनजातीय संस्कृति, परम्पराओं, बोली—भाषा को संरक्षित एवं संवर्धित करने हेतु प्रयासरत है। इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु जनजातीय बहुल क्षेत्रों में सामुदायिक रेडियो केन्द्रों की स्थापना की गई। सामुदायिक रेडियो केन्द्र के माध्यम से आदिवासियों के बीच उनकी तरक्की के लिए शासन द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी पहुँचाई जा सकेगी। वहीं जनजातीय संस्कृति, परम्पराओं के बारे में भी जानकारी दी जा सकेगी और उनकी सांस्कृतिक परम्पराओं का दस्तावेजीकरण तथा संरक्षण भी संभव हो सकेगा। इस रेडियो केन्द्र का संचालन सामान्यतः जनजातीय बोली एवं हिन्दी में स्थानीय जनजातीय उद्घोषकों द्वारा किया जाता है।

**वन्या सामुदायिक रेडियो केन्द्र का उद्देश्य —**

1) जनजातीय समुदाय के लिए चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी उन्हीं की भाषा—बोली में प्रसारित करने का प्रयास किया गया है। जिससे उन्हें इन योजनाओं की संपूर्ण जानकारी प्राप्त हो सके और वह ज्यादा से ज्यादा इन योजनाओं का लाभ ले सकें।

2) सामुदायिक रेडियो केन्द्र से न केवल उनकी भाषा/बोली, कला और संस्कृति का संरक्षण होगा बल्कि ये उनकी सामाजिक और शैक्षणिक उन्नति में भी सहायक होंगे।

उपरोक्त उद्देश्यों की पूर्ति हेतु सामुदायिक रेडियो केन्द्रों की स्थापना की गई। रेडियो द्वारा एक ही समय में अनेक लोगों तक रोचक तरीके से अपनी बात पहुँचाई जा सकती है। वन्या रेडियो जनजातीय समुदाय तक पहुँचने का एक अभिनव साधन है। शासन की योजनाओं को अल्प समय में

अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने का प्रयास रेडियो के माध्यम से ही संभव हो सकता है।

उपर्युक्त प्रमुख उद्देश्यों के निर्वहन में सेसईपुरा में सहरिया बोली के साथ हिन्दी में दैनिक प्रसारण के जरिए जनजातीय समुदाय के बौद्धिक स्तर को उन्नत करने हेतु कार्य कर रहा है। इसमें प्रसारित कार्यक्रमों के जनजातीय समुदाय से सीधा जुड़ाव होता है चूँकि यहाँ से प्रसारित होने वाले कार्यक्रम संबंधित जनजातीय बोली में प्रसारित किये जाते हैं। सुदूर वनांचलों में सूचनाओं के आदान–प्रदान में भी यह महती भूमिका अदा करते हैं।

**अध्ययन का उद्देश्य –**

1. वन्या रेडियो केन्द्र सेसईपुरा की वर्तमान स्थिति एवं संचालन की वास्तविक स्थिति ज्ञात करना, रेडियो केन्द्र नियमित रूप से संचालित है अथवा नहीं ज्ञात करना।
2. वन्या रेडियो केन्द्र द्वारा नियमित समयानुसार कार्यक्रमों का प्रसारण हो रहा है अथवा नहीं ज्ञात करना।
3. वन्या रेडियो सेसईपुरा द्वारा प्रसारित कार्यक्रमों के माध्यम से जनजातीय समुदाय को लाभ हो रहा है अथवा नहीं, ज्ञात करना।

**अध्ययन क्षेत्र –**

प्रस्तावित अध्ययन जिला श्योपुर के कराहल विकासखण्ड के ग्राम सेसईपुरा में स्थापित वन्या रेडियो केन्द्र के अंतर्गत आने वाले ग्रामों में सेसईपुरा, कटीला, मोरावन, सेटलमेंट कॉलोनी, रानीपुरा, बनवीरपुरा, अघवाड़ा आदि ग्रामों का क्षेत्रीय भ्रमण/अध्ययन किया गया।

**अध्ययन प्रविधि –**

प्रस्तावित अध्ययन हेतु साक्षात्कार, अनुसूची, सामूहिकचर्चा एवं अवलोकन प्रविधि का उपयोग किया गया साथ ही अध्ययनकर्त्ता के द्वारा छायांकन भी किया गया।

# अध्याय –दो
# अध्ययन क्षेत्र एवं जनजातीय परिचय

श्योपुर जिला मध्यप्रदेश के उत्तरी–पश्चिमी क्षेत्र में स्थित है। जिले के पुनर्गठन पश्चात् मुरैना जिले से पृथक होकर वर्ष 1998 में श्योपुर जिला गठित हुआ है। भौगोलिक रूप से श्योपुर जिला 25–15 से 25–45 उत्तरी अक्षांस तथा 76–22 से 77–22 पूर्वी देशांतर पर स्थित है। इसकी समुद्र तल से ऊँचाई 150–300 मीटर आकलित है। यह जिला तीन तहसीलों तथा तीन विकासखण्डों श्योपुर, विजयपुर एवं कराहल में विभाजित है। कराहल विकासखण्ड के अंतर्गत ग्राम पंचायत सेसईपुरा आता है। वर्ष 2011 की जनगणना अनुसार कराहल विकासखण्ड में सहरिया जनजाति की कुल जनसंख्या 161448 है, इसमें 82637 पुरुष एवं 78811 महिलाओं की जनसंख्या है।

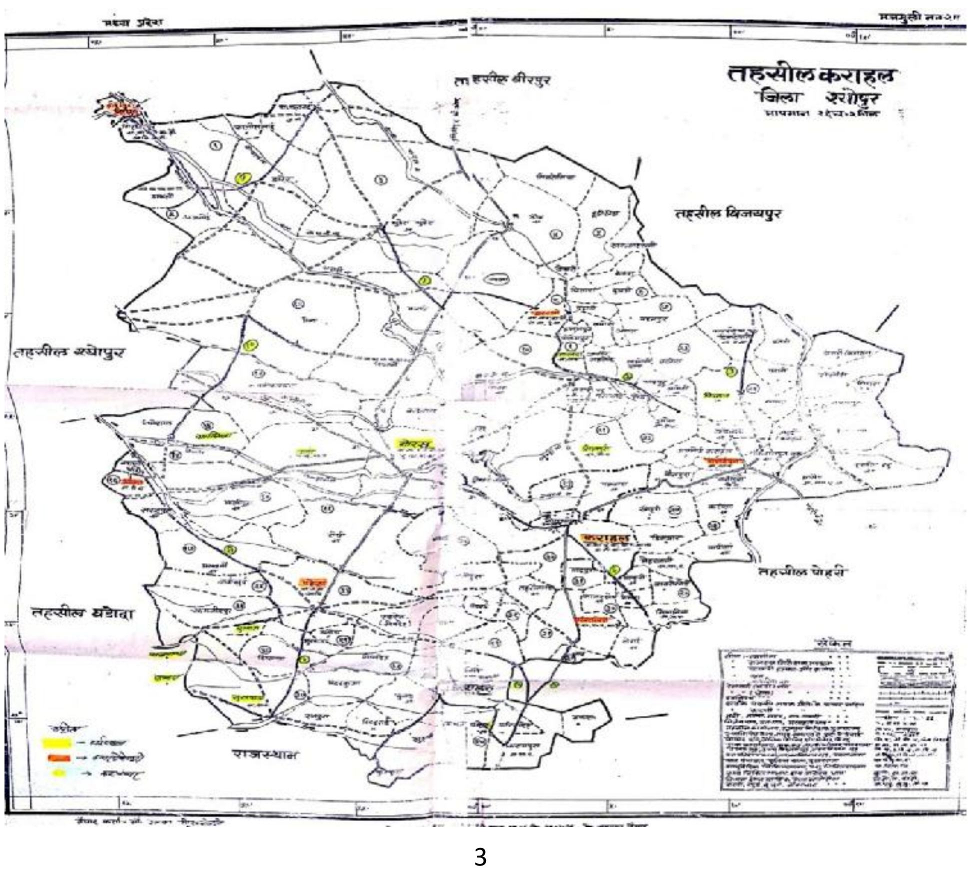

**सहरिया जनजाति का परिचय –**

प्रदेश में जितनी जनजातियाँ निवास करती हैं उनमें उतनी ही विविधताएँ हैं। प्रत्येक जनजाति की अपनी अलग जीवन–शैली, संस्कार, प्रथाएँ, परम्पराएँ हैं। जिसके आधार पर आदिवासी अपने सांस्कृतिक,

सामाजिक पहलुओं से अपना वैशिष्ट रखते हैं। सहरिया जनजाति भारत सरकार द्वारा विशेष पिछड़ी जनजाति के रूप में मान्य की गयी है। प्रदेश की अनुसूचित जनजाति की वैधानिक सूची में 42वीं क्रम पर सहरिया, सहेरिया, सेरिया, सोसिया, सोर नाम से अंकित है। सहरिया मुख्य रूप से प्रदेश के उत्तरी–पश्चिमी अंचल में बसे हैं। ये सीहोर से लेकर उत्तरी–पश्चिमी विदिशा, गुना, शिवपुरी, मुरैना, श्योपुर और ग्वालियर में मुख्यतः पाये जाते हैं।

**शारीरिक लक्षण –**

सहरिया जनजाति के लोग सांवले रंग के होते हैं। इनका कद लगभग 6 फीट होता है। इनका व्यक्तित्व आकर्षक नहीं होता है।

**वेशभूषा –**

ये लोग कुर्ता, कमीज (सलूको) बंडी तथा धोती पहनते हैं। कंधे पर साफा (अंगोछा) धारण करते हैं। महिलाएँ घाघरा, लुगड़ा, पोलका, ब्लाउज, अंगिया तथा पेटीकोट (नूरा) पहनती है। ये गहरे लाल, हरे, गुलाबी, काले रंग के वस्त्र पसंद करती हैं। सहरिया स्त्री–पुरुष दोनों ही आभूषण प्रिय है। पुरुष कान में कड्रल्या पहनते हैं। महिलाएँ सिर पर बोर, राखडी, कान में पीपर, पत्ता, बाली, नाक में सोने चाँदी की लोंग पहनती हैं।

**व्यवसाय –**

सहरिया का जीवन वनोपजों पर आधारित होता है। खेती में ये साल भर में एक बार ही वर्षा पर आधारित फसलें प्राप्त करते हैं। इसके अलावा ये मजदूरी भी करते हैं। जंगल से लकड़ी लाकर बेचते हैं। जंगल से सफेद मूसली, महुआ एवं गोंद, शहद, तेन्दूपत्ता का संग्रह करते हैं। इसके अलावा सहरिया कभी–कभी जंगली पशुओं का भी शिकार करते हैं। बरसात में मछली पकड़ते हैं।

# अध्याय –तीन

## वन्या सामुदायिक रेडियो केन्द्र एवं संचालन की वर्तमान स्थिति

मध्यप्रदेश के श्योपुर जिले में सेसईपुरा में सामुदायिक रेडियो केन्द्र वन्या की स्थापना 31 मई 2012 को की गयी थी।

वन्या रेडियो केन्द्र सेसईपुरा का संचालन प्राचार्य, शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सेसईपुरा द्वारा किया जाता है। विद्यालय परिसर में ही रेडियो केन्द्र स्थापित है। प्रसारण क्षेत्र की प्रमुख बोली सहरिया है। इस रेडियो केन्द्र की फ्रिक्वेंसी 90.8 मेगाहर्ट्ज (एफ.एम.) है। वर्तमान में वन्या रेडियो के प्रभारी श्री एस.पी. भार्गव, प्राचार्य, शासकीय उत्कृष्ठ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सेसईपुरा वन्या रेडियो के समन्वयक श्री रोहित निरंजन हैं। सहायक समन्वयक के रूप में श्री उमेश कुमार ओझा कार्यरत हैं तथा साहब सिंह आदिवासी, चौकीदार के पद पर कार्यरत हैं।

वन्या सामुदायिक रेडियो केन्द्र से सेसईपुरा का प्रसारण 90.8 मेगाहर्टज (एफ.एम.), फ्रिक्वेंशी पर किया जाता है। केन्द्र मे प्रातः 6.35 से 11.30 एवं सायं 4.00 से 9.30 तक कार्यक्रम प्रसारित किये जाते हैं। रेडियो केन्द्र के आस–पास 18 किलोमीटर के दायरे में कार्यक्रमों का प्रसारण पाया गया, जिससे ग्रामों में निवासरत आदिवासी (सहरिया) सुनते हैं तथा इससे प्राप्त जानकारी से लाभ भी ले रहे हैं। केन्द्र में प्रसारित किए जाने वाले कार्यक्रमों का प्रसारण कार्यालय वन्या के निर्देश पर निर्धारित समयचक्र के अनुसार किया जाता है। प्रसारित किए जाने वाले कार्यक्रमों की रिकार्डिंग रेडियो केन्द्र पर कराई जाती है साथ ही कुछ सामग्री वन्या द्वारा भी उपलब्ध कराई जाती है। रेडियो केन्द्र से विविध प्रकार के अलग–अलग कार्यक्रमों का प्रसारण किया जाता है। इसमें कुछ प्रतिष्ठित लोगों से की गई भेंटवार्ता का स्थानीय भाषा में प्रसारण किया जाता है। जिसमें जनजातीय तीज, त्यौहार, संस्कृति आदि को भी शामिल किया जाता है।

| केन्द्र में उपलब्ध संसाधनों की सूची | | | |
|---|---|---|---|
| ैण्छण | प्जमउ छंउम | फनंदजपजल | च्तंजपबनसमत |
| 1 | 8ष्ैचमांमत | 1 चंपत | ूवतापदह |
| 2 | ब्वउचनजमत`मज ूपजी 19ष् स्ब्क ंदक ।मल इवंतक्ूउवनेम | 3 चबेण | ूवतापदह |
| 3 | स्ळ ।ब्ूपजी तमउवजम ंदक वनजकववत इवग | 2 चबेण | ूवतापदह |
| 4 | ठंतकप ।नकपव उपगमत 10ब्2ैंष् | 1 चबेण | ूवतापदह |
| 5 | भ्मंक चीवदम | 2 चबेण | ूवतापदह |
| 6 | भ्मंक चीवदम ।उचसपपितम | 2 चबेण | ूवतापदह |
| 7 | डपबतवचीवदम`जंदक इपह | 2 चबेण | वा |
| 8 | डपबतवचीवदम`जंदक त्श्र | 1 चबेण | वा |
| 9 | डपबतवचीवदम`जंदक`उंसस | 3 चबेण | वा |
| 10 | डपबतवचीवदमैड 58 | 3 चबेण | ूवतापदह |
| 11 | डपबतवचीवदमैड 57 | 3 चबेण | ूवतापदह |
| 12 | ज्म्ड 50˘ ज्तंदेउपजमत | 1 चबेण | ूवतापदह |
| 13 | ैवदल डनेपबैलेजमउ ूपजी तमउवजम | 1 चबेण | ूवतापदह |
| 14 | ैवदल च्मद त्मबवतकमत ूपजी बींतहमइसम बमसस | 2 चबेण | ूवतापदह |
| 15 | चीपसपचे त्ंकपव | 1 चबेण | ूवतापदह |
| 16 | ब्ंवतप`जंइपसप्रमत | 2 चबेण | ूवतापदह |
| 17 | 2 ज्ञअ वदसपदम न्च्ैूपजी 8 इमजजतपमे | 1 चबेण | ूवतापदह |
| 18 | 1 ज्ञअैव्.।त्ैल्ज्म्ड˘प्ब्भ् इमजजतपमे | 1 चबेण | ूवतापदह |
| 19 | ज्म्ड त्थ् बंइसम ूपजी बवददमबजवत | 45 उजतण | ूवतापदह |
| 20 | ग्स्त् जव ग्स्त् बंइसम | 6 चबेण | ूवतापदह |
| 21 | 1ध्4`जमतमव बंइसम | 2 चबेण | ूवतापदह |
| 22 | डवदव जवैजमतमव बंइसम | 2 चबेण | ूवतापदह |
| 23 | ।अपंजपवद संउच | 1 चबेण | ूवतापदह |
| 24 | भ्मकसपहीज | 1 चबेण | ूवतापदह |
| 25 | ।सउंतप | 1 चबेण | ूवतापदह |

## रेडियो केन्द्र में उपलब्ध सामग्री की उपयोगिता –

1. **स्टूडियो मॉनेटर स्पीकर सेट –** यह रिकार्डिंग स्टूडियो में आवाज सुनने एवं तैयार सामग्री को बेहतर बनाने के लिए उपयोगी होता है।
2. **कम्प्यूटर सेट –** रिकार्डिंग स्टूडियो में आवाज को रिकार्ड करने, एडिटिंग एवं मिक्सिंग आदि के लिए इसका उपयोग किया जाता है।

3. **हेड फोन** – यह रिकार्डिंग के समय अतिरिक्त आवाज या कलाकार को सूचना एवं ट्रेक संबंधित उपयोगी है। कभी–कभी फील्ड में रिकार्डिंग सुन्दर बनाने में भी यह सहायक होता है।

4. **हेड फोन ऐम्पली फायर** – कन्सोल या मिक्सर से हेड फोन में आवाज की आउट पुट को प्रसारित करने में सहायक है।

5. **माईक स्टेण्ड** – माईक को ठीक प्रकार से स्टेबल करने एवं विषय–वस्तु से इनपुट को बैलेंस कर माईक को सही दिशा प्रदान कर रिकार्डिंग वेव को स्थिर करने में उपयोगी।

6. **माईक (एसएम 58/57) क्लदंउपब बंतकपवपकेध्बवदकमदेमत डपबतवचीवदमे** . माईक द्वारा वोकल को इलेक्ट्रिक वेव में बदला जाता है ये दो प्रकार के उपयोग में लिए जाते हैं वोकल एवं इन्सट्रूमेंटल।

7. **पेन रिकॉर्डर/व्हाईस रिकॉर्डर** – आउटडोर रिकार्डिंग के काम आता है। इससे फील्ड से रिकार्डिंग या बाहरी वार्तालाप को रिकार्ड किया जाता है।

8. **ज्म्ड 50 ज्तंदेउपजजमत** – साउण्ड या निर्मित ऑडियो कार्यक्रम को तरंगों में बदलकर निर्धारित फ्रिक्वेंसी पर टावर पर लगे ऐन्टीना के जरिए रेडियो या मोबाइल पर निर्धारित प्रसारण क्षेत्र में प्रसारित कार्यक्रम को सुना जा सकता है।

9. **मिक्सर कन्सोल** – माईक द्वारा प्राप्त आवाज को इलेक्ट्रिक वेव में बदलने, रिकार्डिंग को सुनने योग्य बनाने एवं व्हॉइस को कन्ट्रोल करने हेतु उपयोगी।

स्कूल परिसर के सुंदर प्राकृतिक वातावरण में स्थित वन्या रेडियो केन्द्र सुव्यवस्थित, सुंदर व आकर्षक है। रिकार्डिंग कक्ष, कंट्रोल कक्ष के अलावा जनरेटर की सुविधा भी है। दीवारों पर केन्द्र की गतिविधियों की जानकारी का फलेक्स भी लगा हुआ है जो सहज ही आगंतुकों को आकृष्ट करता है।

उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य ही वन्या रेडियो के प्रभारी हैं। इनके द्वारा सतत् मॉनिटरिंग की जाती है।

केन्द्र में टीम द्वारा प्रतिदिन प्रसारण संबंधी कार्य किया जाता है। यहाँ नियमित प्रसारण के साथ फील्ड में भी कार्यक्रमों की रिकॉर्डिंग करने के लिए समय–समय पर भ्रमण किया जाता है। 8 सदस्यीय दल के 10 गानों की रिकॉर्डिंग हेतु रुपये 200/– प्रति गाने की दर से मानदेय राशि रुपये 2000/– दिए जाने का भी प्रावधान है।

वन्या सामुदायिक रेडियो केन्द्र की स्थिति बहुत अच्छी है। समय–समय पर रेडियो केन्द्र के रख–रखाव का कार्य उपरोक्तानुसार कर्मियों द्वारा किया जाता है।

वन्या सामुदायिक रेडियो केन्द्र सेसईपुरा को निम्नानुसार राशि प्रदाय की गई, जिसका व्यय विवरण निम्नानुसार है :–

| क्र | वर्ष | दिनाँक | राशि (रु. में) | व्यय |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 2015—16 | 20.09.2015 | 397975.00 | 397975.00 |
| 2 | 2017—18 | 17.04.2017 | 400000.00 | 400000.00 |
| 3 | 2017—18 | 12.03.2018 | 400000.00 | 400000.00 |

कराहल जिला श्योपुर सामुदायिक रेडियो केन्द्र सेसईपुरा का केन्द्रीय सहकारी बैंक में खाता खोला गया है। समस्त भुगतान बैंक के माध्यम से ही किया जाता है।

# अध्याय –चार
# वन्या सामुदायिक रेडियो केन्द्र से प्रसारित कार्यक्रमों की जानकारी तथा जनजातीय समुदाय पर प्रभाव

## वन्या सामुदायिक रेडियो केन्द्र से प्रसारित कार्यक्रमों की जानकारी –

वन्या सामुदायिक रेडियो केन्द्र में प्रसारण दो शिफ्ट में किया जाता है। प्रातः 8 से अपराह्न 1.00 बजे तक एवं सायंकाल में 4.00 से रात्रि 9.00 बजे तक। सप्ताह के सातों दिन नियमित प्रसारण किया जाता है। प्रतिदिन केन्द्र परिचय, वंदेमातरम् एवं मध्यप्रदेश गान का प्रसारण तत्पश्चात् चिंतन का प्रसारण निरंतर किया जाता है। केन्द्र से प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों का विवरण निम्नानुसार है :–

| क्र. | समय | सोमवार | मंगलवार | बुधवार | गुरुवार | शुक्रवार | शनिवार | रविवार |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 8.30 | संकेत धुन, म्रप्र.गान, रेडियो गीत, वन्देमातरम् | संकेत धुन, म्रप्र.गान, रेडियो गीत, वन्देमातरम् | संकेत धुन, म्रप्र. गान, रेडियो गीत, वन्देमातरम् | संकेत धुन, म्रप्र.गान, रेडियो गीत, वन्देमातरम् | संकेत धुन, म्रप्र.गान, रेडियो गीत, वन्देमातरम् | संकेत धुन, म्रप्र.गान, रेडियो गीत, वन्देमातरम् | संकेत धुन, म्रप्र. गान, रेडियो गीत, वन्देमातरम् |
| 2 | 8.45 | श्री रामचरित मानस | श्री रामचरित मानस | श्री रामचरित मानस | श्री रामचरित मानस | श्री रामचरित मानस | श्री रामचरित मानस | श्री रामचरित मानस |
| 3 | 7.00 | आजाद हिन्द | आजाद हिन्द | आजाद हिन्द | आजाद हिन्द | आजाद हिन्द | आजाद हिन्द | आजाद हिन्द |
| 4 | 7.30 | संगीत सरिता | शौर्य गाथा | शासन की योजनाएँ | गीत–संगीत | आदिराग | नीति कथा | शासन की योजनाएँ |
| 5 | 8.00 | भारतीय नारी की गाथा | बढ़ते कदम | संगीत–सरिता | जागरुकता | गीत–संगीत | भक्ति रस | गीत–संगीत |
| 6 | 8.20 | जगरुकता | संगीत सरिता | आओ जानें | भक्ति रस | शासन की योजनाएँ | हमारी विरासत हमारी संपदा | विज्ञान की जादुई दुनियाँ |
| 7 | 8.40 | गीत–संगीत | स्वा.संबंधी वार्ता | जनजातीय संगीत | बात पते की | भक्ति रस | जनजातीय संगीत | स्थानीय लोगों से वार्ता |
| 8 | 9.10 | ज्ञानवर्धक कहानी | भक्ति रस | बात पते की | जनजातीय संगीत | स्था. लोगों से वार्ता | बढ़ते कदम | भक्ति रस |
| 9 | 9.25 | आओ जानें | जनजातीय संगीत | भक्ति रस | भारतीय नारी की गाथा | जनजातीय संगीत | कृषि दर्शन | नजातीय संगीत |

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **10** | 9.40 | भक्ति रस | बात पते की | स्वामी विवेकानंद | बढ़ते कदम | स्वा. संबंधी वार्ता | संगीत सरिता | बाल जगत बाल कथा |
| **11** | 10.00 | बात पते की | लोक संगीत | ज्ञानवर्धक कहानी | संगीत सरिता | लोक संगीत | आओ जानें | स्वामी विवेकानंद |
| **12** | 10.30 | जनजातीय संगीत | कृषि दर्शन | लोकसंगीत | विज्ञान की जादुई दुनिया | बात पते की | लोक संगीत | संगीत सरिता |
| **13** | 11.00 | हिन्दोस्ताँ हमारा | हिन्दोस्ताँ हमारा | हिन्दोस्ताँ हमारा | हिन्दोस्ताँ हमारा | हिन्दोस्ताँ हमारा | हिन्दोस्ताँ हमारा | हिन्दोस्ताँ हमारा |
| **14** | 11.30 | सभा समाप्ति की घोषणा | सभा समाप्ति की घोषणा | सभा समाप्ति की घोषणा | सभा समाप्ति की घोषणा | सभा समाप्ति की घोषणा | सभा समाप्ति की घोषणा | सभा समाप्ति की घोषणा |

**नोट :**

1. **विशेष तीज त्यौहार, पुण्य तिथि, शहीद दिवस आदि के कार्यक्रम समय–समय पर प्रसारित किए जाते हैं।**

## वन्या रेडियो का जनजातीय जीवन पर प्रभाव –

सामुदायिक रेडियो केन्द्र वन्या की सामाजिक दायित्व और जनसेवा प्रसारण की विशेषता रही है। ये कार्यक्रम ज्ञानवर्धन के साथ ही मनोरंजन भी प्रदान करते हैं और लोगों के जीवन स्तर में भी सुधार लाते हैं। रेडियो के माध्यम से विभिन्न सरकारी, गैर सरकारी एवं सार्वजनिक हितों से जुड़े तथ्यों, नीति एवं योजनाओं की जानकारी पहुँचे, इसका प्रयास किया जाता है।

वन्या सामुदायिक रेडियो केन्द्र सेसईपुरा द्वारा प्रसारित कार्यक्रमों का जनजातीय समुदाय पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

प्रसारित कार्यक्रमों में खेती, किसानी, विशेष रूप से लोकप्रिय है। अनुसंधान हेतु क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान जब संपर्क किया गया तो अधिकांश परिवारों ने खेती, किसानी के कार्यक्रम से ज्ञानवर्धन की बात स्वीकार की।

उल्लेखनीय है कि वन्या सामुदायिक रेडियो केन्द्र सेसईपुरा के प्रसारण में जिले में क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान पाया गया कि युवा वर्ग का रुझान रेडियो सुनने में अधिक है। वे ज्ञानवर्धन के साथ योजनाओं से भी परिचित हो रहे हैं।

कृषि कार्य करने वाले अधिकांश लोगों से बातचीत करने पर यह पाया गया कि उन्हें साप्ताहिक खेती–किसानी ''**कृषि दर्शन**'' अत्यधिक पसंद है।

प्रातःकाल प्रसारित होने वाले कार्यक्रम नियमित सुने जाते हैं। इन कार्यक्रमों के जरिए जनजातीय समुदाय में शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, विज्ञान–चर्चा, राष्ट्रभक्ति संबंधी भावों का निरंतर विकास हो रहा है। वन्या रेडियो की रेंज में आने वाले गाँवों में शिक्षा का स्तर उन्नत हुआ है। लोगों में व्यक्तिगत साफ–सफाई के साथ आस–पास की साफ–सफाई के प्रति भी जागरुकता उत्पन्न हुई है।

जनजातीय समुदाय का प्रमुख कार्य है कृषि व वनोपज एकत्र कर जीवनयापन करना। वर्तमान समय में शिक्षा प्राप्त कर शासकीय, अशासकीय नौकरी करने हेतु भी जनजातीय समुदाय प्रयासरत है। बिना अर्थ (धन) के भौतिक स्तर में सुधार संभव नहीं है। रेडियो के माध्यम से शिक्षा प्राप्त करने हेतु अनेक परिवारों में जागृति उत्पन्न हुई है। कई घरों के बच्चे तहसील, विकासखण्ड या जिला स्तर के छात्रावासों में रहकर शिक्षार्जन कर रहे हैं।

कुछ समय पहले तक जनजातीय बहुल क्षेत्रों में शिक्षा के प्रति जागरुकता में कमी थी। परंतु विभिन्न प्रयासों के साथ वर्तमान में रेडियो पर प्रसारित कार्यक्रमों 'विज्ञान की जादुई दुनिया', 'बढ़ते–कदम', 'स्थानीय प्रतिभाओं से भेंट–वार्ता', 'बात पते की', द्वारा विभिन्न बदलाव हुए हैं। इन कार्यक्रमों के द्वारा लोगों के सोचने के ढंग में काफी बदलाव आया है। अब बालकों की शिक्षा के साथ बालिकाओं की शिक्षा पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

# अध्याय–पाँच

# वन्या सामुदायिक रेडियो केन्द्र सेसईपुरा के संबंध में स्थानीय ग्रामीणों से की गई चर्चा

वन्या सामुदायिक रेडियो केन्द्र सेसईपुरा में प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों के संबंध में चर्चा की गई। लोगों द्वारा बतलाया गया कि खेती–बाड़ी से जब भी उन्हें खाली समय मिलता है, वह रेडियो अवश्य सुनते हैं। उन्हें इसमें प्रसारित होने वाले कार्यक्रम पसंद आते हैं। अधिकांश लोगों द्वारा बतलाया गया कि उनके पास रेडियो/ट्रांजिस्टर उपलब्ध नहीं है। उनके पास मोबाइल सेट है, यह लोग मोबाइल के माध्यम से कार्यक्रम सुनते हैं। युवा पीढ़ी द्वारा आधुनिक गीत–संगीत कार्यक्रमों की माँग की जा रही है। वे प्रसारित कार्यक्रमों में रुचि कम लेते हैं।

कराहल विकासखण्ड के कुछ ग्रामों में जाकर आदिम जाति अनुसंधान एवं विकास संस्था के फील्ड अधिकारी द्वारा वन्या सामुदायिक रेडियो केन्द्र से प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों के संबंध में एवं इनके प्रसारित कार्यक्रमों से लाभ उठा रहे लोगों से चर्चा की गई जो निम्नानुसार है :–

**1. रेशम केन्द्र कॉलोनी सेसईपुरा –**

ग्राम रेशम केन्द्र कॉलोनी सेसईपुरा के चर्चा में शामिल ग्रामीणों की सूची :–

| क्र | नाम | जाति | उम्र |
|---|---|---|---|
| 1 | श्री बद्री प्रसाद | सहरिया | 55 |
| 2 | श्री बालू | सहरिया | 65 |
| 3 | श्री दिनेश | सहरिया | 35 |
| 4 | श्रीमती रमाबाई | सहरिया | 60 |
| 5 | श्री देवी सिंह | सहरिया | 25 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 6 | श्री रामस्वरूप | सहरिया | 32 |
| 7 | श्री लबकुश | सहरिया | 19 |

ग्राम के 7 ग्रामीणों से चर्चा की गई जिसमें वन्या रेडियो से प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों से संबंधित चर्चा की गई। चर्चा के दौरान उनके द्वारा बताया गया कि रेडियो के माध्यम उन्हें शासन द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त हुई। जिससे 5 परिवारों ने उज्जवला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, पेंशन योजना का लाभ लिया है तथा एक परिवार ने निःशुल्क साइकिल योजना का लाभ लिया है।

2. सेसईपुरा दिनांक 27/12/2018 को आदिम जाति अनुसंधान एवं विकास संस्था, भोपाल के फील्ड अधिकारी, ग्राम सेसईपुरा के आदिवासी टोले में रेडियो प्रसारण के समय पहुँचकर वन्या सामुदायिक रेडियो केन्द्र से प्रसारित कार्यक्रमों के बारे में पूछा रेडियो केन्द्र मध्यम एवं छोटे वर्ग तक छोटी–छोटी जानकारियों को पहुँचाने का अच्छा माध्यम है। चर्चा में शामिल सेसईपुरा के व्यक्तियों की सूची :–

| क्र | नाम | जाति | उम्र |
|---|---|---|---|
| 1 | श्री कमरलाल | जाटव | 33 |
| 2 | श्री अनिल मित्तत | पिछड़ा वर्ग | 46 |
| 3 | श्रीमती दक्खो | सहरिया | 30 |
| 4 | श्री घनश्याम यादव | पिछड़ा वर्ग | 16 |
| 5 | श्री बलवीर कुशवाहा | पिछड़ा वर्ग | 35 |
| 6 | श्री धर्मवीर कुशवाहा | पिछड़ा वर्ग | 40 |
| 7 | श्री सोनू जाटव | अ.जा. | 30 |
| 8 | श्री विजय सिंह कुशवाहा | पिछड़ा वर्ग | 30 |

ग्राम के 08 परिवारों से सामुदायिक रेडियो केन्द्र वन्या से प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों के संबंध में चर्चा की गई। उनके द्वारा बताया कि हमें

रेडियो के माध्यम से शासन द्वारा चलाई जा रही बहुत सी योजनाओं की जानकारी प्राप्त होती हैं। जिसमें दो सदस्यों द्वारा गाँव की बेटी कन्या प्रोत्साहन योजना से लाभ लिया गया है साथ ही 02 सदस्यों को निःशुल्क छात्रवृत्ति योजना का लेना बताया गया है। दो परिवारों द्वारा बताया गया कि रेडियो के माध्यम से जानकारी प्राप्त कर हमने बी.पी.एल. राशन कार्ड के लिए आवेदन किया था जो कि अब बन गया है। 01 आदिवासी परिवार द्वारा स्वास्थ्य पेंशन का लाभ मिलने की जानकारी दी गई है।

3. **कटीला** – दिनांक 27/12/2018 को आदिम जाति अनुसंधान एवं विकास संस्था के फील्ड अधिकारी वन्या रेडियो के प्रसारण के दौरान ग्राम कटीला पहुँचे। वन्या रेडियो केन्द्र से प्रसारित होने वाले कार्यक्रम के बारे में पूछा गया कि इससे प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों में आपको क्या अच्छा लगता है? ग्रामवासियों द्वारा बताया गया कि रेडियो केन्द्र से प्रसारित होने वाले सभी कार्यक्रम अच्छे हैं क्योंकि ये समस्त कार्यक्रम हमारी बोली–भाषा में हैं। ग्रामवासियों द्वारा यह भी कहा गया कि वन्या रेडियो के प्रसारण की क्षमता को और अधिक बढ़ाया जाये ताकि इसका लाभ अन्य लोग भी ले सकें।

चर्चा में शामिल ग्राम कटिला के व्यक्तियों की सूची :–

| क्र | नाम | जाति | उम्र |
|---|---|---|---|
| 1 | श्री रामौतार | अ.जा. | 25 |
| 2 | श्री मुकेश | अ.जा. | 30 |
| 3 | श्री अनेक सिंह | अ.जा. | 35 |
| 4 | श्री बादामी | अ.जा. | 45 |
| 5 | श्री होतम | सहरिया | 33 |
| 6 | श्री रामबाबू | सहरिया | 25 |
| 7 | श्री प्रकाश | सहरिया | 36 |
| 8 | श्री मदन | सहरिया | 32 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 9 | श्री रामनरेश | सहरिया | 20 |
| 10 | श्री केशराम | जाटव | 30 |

ग्राम कटीला के कुल 10 व्यक्तियों से चर्चा की गई। चर्चा के दौरान उनके द्वारा बताया गया कि वन्या सामुदायिक रेडियो केन्द्र से प्रसारित होने वाले कार्यक्रम के साथ ही उन्हें शासन द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त होती है। इनमें कुछ लोगों ने इन योजनाओं का लाभ भी प्राप्त किया है। 04 परिवारों ने संबल योजना, निःशुल्क गणवेश योजना तथा निःशुल्क पाठ्यपुस्तक योजना का लाभ प्राप्त किया है। वहीं 01 परिवार ने बताया कि पोस्ट मैट्रिक छात्रावास योजना अंतर्गत उनकी पुत्री छात्रावास में रहकर अध्यनरत है। 02 परिवारों को उज्जवला योजना का लाभ प्राप्त हुआ है। 02 परिवार के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति योजना का लाभ मिला है।

**4. ग्राम मोरावन** – दिनांक 27/12/2018 को आदिम जाति अनुसंधान एवं विकास संस्था के फील्ड आफीसर वन्या रेडियो केन्द्र के प्रसारण के दौरान ग्राम मोरावन पहुँचे। उनके द्वारा वन्या रेडियो केन्द्र से प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों के बारे में पूछा गया कि कौन–कौन से कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं? इनके आपके जीवन में क्या फायदे हैं। ग्रामवासियों द्वारा बताया गयाा कि रेडियो केन्द्र से प्रसारित होने वाले सभी कार्यक्रम अच्छे हैं यह कार्यक्रम समाज के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं तथा भविष्य में इससे प्रसारित कार्यक्रमों से बहुत अपेक्षाएँ हैं। चर्चा में शामिल ग्राम मोरावन के व्यक्तियों की सूची :–

| क्र | नाम | जाति | उम्र |
|---|---|---|---|
| 1 | श्री लाल जाटव | अ.जा. | 38 |
| 2 | श्री गिरवर आदिवासी | सहरिया | 48 |
| 3 | श्री लक्ष्मण | अ.जा. | 40 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 4 | श्री रामेहत आदिवासी | सहरिया | 45 |
| 5 | श्री अशोक जाटव | जाटव एस.सी. | 28 |
| 6 | श्री सुलतान आदिवासी | सहरिया | 29 |
| 7 | श्री सुपरूसिंह गुर्जर | पिछड़ा वर्ग | 50 |
| 8 | श्री पहलवान आदिवासी | सहरिया | 45 |
| 9 | श्री रामवीर आदिवासी | सहरिया | 29 |
| 10 | श्री प्रहलाद आदिवासी | सहरिया | 45 |

वन्या सामुदायिक रेडियो केन्द्र से प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों से ग्राम मोरावन के ग्रामीणों को होने वाले लाभ के संबंध में चर्चा के दौरान ग्रामीणों द्वारा बताया गया कि उन्हें रेडियो के माध्यम से शासन द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त होती है। जिसमें विशेषकर टीकाकरण योजना, कृषि अनुदान योजना, उज्जवला योजना, निःशुल्क सायकिल वितरण योजना, निःशुल्क गणवेश योजना, जननी सुरक्षा योजना आदि योजनाएँ हैं। उनके द्वारा बताया गया कि गाँव के कुछ लोगों को व्यक्तिगत एवं सामूहिक रूप से इन योजनाओं का लाभ प्राप्त हुआ है।

**5. सेटलमेंट कॉलोनी** – दिनांक 28/12/2018 को आदिम जाति अनुसंधान एवं विकास संस्था के फील्ड आफीसर वन्या रेडियो केन्द्र के प्रसारण के दौरान ग्राम सेटलमेंट कॉलोनी पहुँचे। उनके द्वारा वन्या रेडियो केन्द्र से प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों के बारे में पूछताछ की गई साथ ही इसे और अधिक प्रभावी बनाने के लिए सुझाव भी माँगे गए। ग्रामवासियों द्वारा बताया गया कि रेडियो केन्द्र से प्रसारित होने वाले सभी कार्यक्रम ज्ञानवर्द्धक हैं। चर्चा में शामिल ग्रामवासियों की सूची :–

| **क्र** | **नाम** | **जाति** | **उम्र** |
|---|---|---|---|
| 1 | श्री अंगद | सहरिया | 55 |
| 2 | श्री लालाराम | सहरिया | 27 |
| 3 | श्री बनिया | सहरिया | 18 |

|  |  |  |  |
|---|---|---|---|
| 4 | श्री प्रकाश | सहरिया | 40 |
| 5 | श्री दमोला | सहरिया | 50 |
| 6 | श्री नारायण | सहरिया | 34 |

सेटलमेंट कॉलोनी के निवासियों से चर्चा के दौरान उनसे पूछा गया कि आपको सामुदायिक रेडियो केन्द्र से प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों के माध्यम से दी जा रही जानकारियों से कुछ लाभ मिला है या आपके सामाजिक, आर्थिक स्थिति में कोई परिवर्तन आया है। तो निवासियों द्वारा बताया गया कि हमें रेडियो के माध्यम से शासन द्वारा चलाई जा रही योजनाओं जैसे आवास योजना, छात्रावास योजना, निःशुल्क गणवेश योजना, साइकिल वितरण योजना, जननी सुरक्षा योजना की जानकारी प्राप्त हुई है। हमारे क्षेत्र के कुछ लोगों के बालक एवं बालिकाओं को निःशुल्क गणवेश तथा साइकिल योजना का लाभ मिला है।

6. **रानीपुरा** – दिनांक 28/12/2018 को आदिम जाति अनुसंधान एवं विकास संस्था के फील्ड आफीसर वन्या रेडियो केन्द्र के प्रसारण के दौरान ग्राम में पहुँचकर ग्रामवासियों से प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों के बारे में पूछताछ की गई साथ ही प्रसारण को और उपयोगी बनाने हेतु सुझाव भी माँगे गये। तो ग्राम वासियों द्वारा बताया गया कि प्रसारित होने वाले कार्यक्रम जनकल्याणकारी तथा लोगों को जागरूक करने का एक सशक्त माध्यम है इसे और अच्छा बनाना चाहिए ताकि शासन द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ ग्रामवासी ले सकें। चर्चा में शामिल ग्राम रानीपुरा के व्यक्तियों की सूची :–

| क्र | नाम | जाति | उम्र |
|---|---|---|---|
| 1 | श्री मुरारी | सहरिया | 35 |
| 2 | श्री महाबीर | सहरिया | 27 |
| 3 | श्री चतुरसिंह | सहरिया | 26 |
| 4 | श्री काशीराम | सहरिया | 46 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 5 | श्री परिमल | शाक्य | 44 |

वन्या रेडिया केन्द्र सेसईपुरा द्वारा प्रसारित कार्यक्रमों के प्रभाव एवं उससे प्राप्त लाभ से ग्रामीणों के सामाजिक एवं पारिवारिक स्थिति में हुए सुधार तथा शासन द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित जानकारी के संबंध में रानीपुरा के निवासियों से चर्चा की गई। चर्चा के दौरान उनके द्वारा बताया गया कि शासन द्वारा संचालित योजनाएँ जैसे प्री–मैट्रिक छात्रवृत्ति, उज्जवला योजना, बिजली बिल माफी योजना, कृषि ऋण माफी योजना, निःशुल्क उपचार योजना, आवास योजना, निःशुल्क गणवेश योजना, निःशुल्क साइकल वितरण योजना, गाँव की बेटी योजना, एवं सार्वजनिक वितरण प्रणाली योजना आदिके संबंध में जानकारी प्राप्त हुई है। 02 लोगों द्वारा निःशुल्क उपचार योजना का लाभ लिया गया है। 01 परिवार द्वार आवास योजना का लाभ प्राप्त किया गया है एवं दो अन्य लोगों की बालिकाएँ छात्रावास योजनाअंतर्गत छात्रावास में निवासकर अध्ययनरत हैं। ग्रामीणों द्वारा रेडियो सेट की माँग की गई है।

7. **बनबीरपुरा –** दिनांक 29/12/2018 को आदिम जाति अनुसंधान एवं विकास संस्था के फील्ड आफीसर वन्या रेडियो केन्द्र के प्रसारण के दौरान ग्राम में बनबीरपुरा पहुँचकर ग्रामवासियों से वन्या रेडियो से प्रतिदिन प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों के बारे में जानकारी प्राप्त की गई। ग्रामवासियों से रेडियो प्रसारण के दौरान ही चर्चा की गयी। ग्रामवासियों से पूछा गया कि वन्या रेडियो केन्द्र से प्रसारित होने वाले कार्यक्रम कैसे लगते हैं कार्यक्रमों को सुनने में उन्हें आनंद आता है या नहीं? कार्यक्रमों से किस तरह का लाभ मिलता है साथ ही इसे और बेहतर बनाने के लिए सुझाव भी माँगे गये। लोगों द्वारा बताया गया कि इस रेडियो केन्द्र से प्रसारित होने वाले कार्यक्रम शासन द्वारा चलाई जा रही सभी योजनाओं की जानकारी देते हैं साथ ही खेती–बाड़ी से संबंधित विशेषज्ञों से चर्चा संबंधी कार्यक्रम अधिक लाभप्रद है। चर्चा में शामिल व्यक्तियों की सूची :–

| क्र | नाम | जाति | उम्र |
| --- | --- | --- | --- |
| 1 | श्री राम लखन | आदिवासी | 40 |
| 2 | श्री सरदार | सहरिया | 39 |
| 3 | श्री गुलाब | सहरिया | 31 |
| 4 | श्री दिनेश | सहरिया | 29 |

बनवीरपुरा के सहरिया आदिवासियों से वन्या सामुदायिक रेडियो केन्द्र सेसईपुरा से प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों से प्राप्त लाभ एवं उनके जीवन में उससे पड़ने वाले प्रभाव के संबंध में चर्चा के दौरान ग्रामीणों द्वारा बताया गया कि रेडियो के माध्यम से उन्हें शासकीय योजनाओं की जानकारी प्राप्त होती है। जैसे छात्रवृत्ति योजना, निःशुल्क गणवेश योजना, निःशुल्क साइकिल वितरण योजना, मध्यान्ह भोजन योजना, आवास योजना, बिजली बिल माफी योजना, जननी सुरक्षा योजना आदि। ग्रामीणों द्वारा बताया गया कि शिक्षा से संबंधित योजनाओं का लाभ सभी ग्रामवासियों को मिल रहा है। उनके बच्चे अध्ययनरत हैं। कुछ लोगों को आवास योजना का लाभ भी प्राप्त हुआ है। ग्रामीणों द्वारा रेडियो सेट की माँग की गई है। पूर्व में उन्हें 2012 में रेडियो सेट प्रदाय किये गये थे।

8. **अघवाड़ा** – दिनांक 29/12/2018 को आदिम जाति अनुसंधान एवं विकास संस्था के फील्ड अधिकारी वन्या रेडियो केन्द्र के प्रसारण के दौरान ग्राम अघवाड़ा पहुँचकर यहाँ के स्थानीय निवासियों से मुलाकात कर वन्या रेडियो केन्द्र से प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों के बारे में चर्चा की गई। रेडियो के कार्यक्रम प्रसारण के दौरान ही कार्यक्रमों के बारे में जानकारी ली गई साथ ही रेडियो से प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों के नाम भी पूछे गए, जिन्हें स्थानीय निवासियों ने सहजतासे बता दिया। ग्रामीणों द्वारा बताया गया कि सामुदायिक रेडियो केन्द्र सेसईपुरा रेडियो स्टेशन जब से खुला है। हम लोग तभी से रेडियो निरंतर सुनते आ रहे हैं। इसमें प्रसारित होने वाली सबसे अच्छी बात यह है कि हमारी बोली में प्रसारित किए जाते हैं। यह

रेडियो बहुत ही सुचारू रूप से चल रहा है। इससे हमें मध्यप्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त होती है।

चर्चा में शामिल ग्राम अघवाड़ा के व्यक्तियों की सूची :—

| क्र | नाम | जाति | उम्र |
|---|---|---|---|
| 1 | श्री लक्ष्मण | सहरिया | 35 |
| 2 | श्री राजाराम | सहरिया | 40 |
| 3 | श्री मेघसिंह | सहरिया | 30 |
| 4 | श्री दर्शन | सहरिया | 32 |
| 5 | श्री अनुराज | सहरिया | 17 |

सामुदायिक रेडियो केन्द्र वन्या के प्रसारण के समय ग्राम अघवाड़ा के ग्रामीणों से संपर्क कर प्रसारण के संबंध में चर्चा की गई। ग्रामीणों ने केन्द्र से प्रसारित होने वाले कार्यक्रम के संबंध में बताया कि उन्हें खेती—किसानी, स्थानीय बोली के गीत एवं वार्ता आदि अत्यंत पसंद आते हैं। साथ ही उनके द्वारा बताया गया कि शासन द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी भी दी जाती है। जिसमें निःशुल्क साइकिल वितरण, उज्जवला योजना, आवास योजना आदि की जानकारी भी दी जाती है। जिससे हम लोग इन योजनाओं का लाभ ले सकें। ग्रामीणों द्वारा नवीन रेडियो प्रदाय करने हेतु निवेदन किया गया है।

# अध्याय–छह
# निष्कर्ष एवं सुझाव

वन्या रेडियो केन्द्र सेसईपुरा 31/05/2012 को स्थापित किया गया। अवलोकन के दौरान केन्द्र चालू पाया गया। प्रसारण के प्रातः 6.30 से अपरान्ह 11.30 एवं सायं 4.30 से 9.30 बजे तक रेडियो की परिधि में आने वाले ग्रामों मे जाकर रेडियो सुना गया एवं प्रसारण के संबंध में ग्रामीणों से चर्चा की गयी। प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों से उनके सामाजिक एवं आर्थिक जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों का आँकलन किया गया। प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों से उनके जीवन सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। विशेष रूप से कृषि एवं स्वास्थ्य संबंधी वार्ताओं से उन्हें लाभ मिल रहा है। युवा पीढ़ी ने हिन्दी फिल्मी गीतों की माँग की है। सामुदायिक रेडियो केन्द्र सेसईपुरा से किए जा रहे प्रसारण को और अधिक रोचक बनाए जाने हेतु ग्रामीणों से चर्चानुसार निम्न सुझाव प्रदाय किए गए :–

1. प्रसारण में समाचार स्थानीय बोली में प्रसारित किए जाये।
2. शासकीय जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी केन्द्र के माध्यम से प्रसारित की जाये।
3. युवाओं के लिए रोजगार समाचार प्रसारित किए जाये।
4. वन्या रेडियो केन्द्र में कार्यरत कर्मचारियों को अकुशल श्रमिक का वेतन दिया जा रहा है। जो वर्तमान में अति न्यूनतम है। यहाँ कार्यरत कर्मियों को कुशल, श्रमिक का वेतन दिये जाने की सुझाव है।

# अध्ययन से संबंधित छायाचित्र